प्रकृति को कुछ देने का सबसे पवित्र माध्यम है पौधारोपण

इंदौर (आरएनएन)। विश्व पर्यावरण दिवस पर एडवांस योग एवं नेचुरोपैथी हॉस्पिटल की ओर से औषधीय पौधों का रोपण का आयोजन बुधवार को रखा गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि इंदौर नगर निगम के उपायुक्त रजनीश कसेरा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय की इस शहर को बहुत आवश्यकता है। प्रकृति के करीब हम ज़ितना जाते जाएंगे हमारे शरीर का कल्याण उतना अधिक होगा और शरीर मानसिक एवं शारीरिक रुप से स्वस्थ होता जाएगा। प्रकृति हमारे शरीर का संतुलन रखती है, इसिलए हमें भी प्रकृति को कुछ देना चाहिए और इसका सबसे शुद्ध और पवित्र माध्यम है पौधों का रोपण करना। वृक्ष/पौधे ही प्रकृति में वायु का संतुलन बनाए रखते हैं। वायु के संतुलन से ही तापमान का संतुलन होता है। साथ ही हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन भी इन्हीं पौधों से मिलती है। विश्व पर्यावरण दिवस पर इस तरह के औषधीय पौधों का रोपण निश्चित रुप से एक जन हितकारी प्रयास है।

मरीज कर रहे फल व सब्जियों का सेवन : औषधीय उद्यान की जानकारी देते हुए संचालक डॉ. एके द्विवेदी ने बताया कि इस उद्यान पर उनके द्वारा औषधीय पौधों के साथ-साथ मरीजों के लिए यहीं पर उगाए गए फल व सब्जियों का सेवन करवाया जा रहा है। पूरे देश से आने वाले अप्लास्टिक एनीमिया के मरीजों को यहीं पर उपजाए गए फल व सब्जी का ज्यूस/सूप दिया जाता है जिससे उनके रक्त/प्लेटलेट्स कम हो जाने की परेशानी से जल्दी निजात मिल सके। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि इंदौर जनसंपर्क अधिकारी आर.आर. पटेल, विशेष अतिथि सेनि अतिरिक्त संचालक उद्योग मप्र शासन एडी चतुर्वेदी थे। कार्यक्रम का संचालन कोमल द्विवेदीन ने किया।

परिसर की सुखी पत्तियों से बनाएंगे देसी खाद : अरिहंत कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ ली गई। इस अवसर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए एक संगोष्ठी रखी गई जिसमें स्टाफ के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान एक नई मुहिम भी शुरु की गई। पेड़-पौधों की पत्तियों से देसी खाद बनाने की मुहिम बनाने के तहत पूरे परिसर में फैली सुखी पत्तियों से खाद बनाकर उपयोग में लेने का निर्णय लिया। डॉ. सुभाष माथुर, कल्पेश भट्ट सहित अन्य सदस्य इस अवसर पर मौजूद थे।

हुएथलॉन दौड़ से करेंगे क्लीन, ग्रीन के साथ ही हैप्पी इंदौर कॉन्सेप्ट : क्लीन इंदौर, ग्रीन इंदौर और हैप्पी इंदौर कॉन्सेप्ट के साथ 9 जून को सुबह 6 बजे शहर के लोगों के लिए डुएथलॉन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। शहर में यह अपनी तरह का पहला आयोजन है। सीईओर सतविंदर सिंह और डायरेक्टर डॉ. इरा बापना ने बताया कि यह दौड़ 11 किलोमीटर और 22 किलोमीटर के तीन समूह में होगी। इसमें पहला समूह 11 किलोमीटर केवल दौड़ेगा, दूसरा समूह 11 किलोमीटर का कोम्बो है

चिड़िया घर और एआरपीएफ द्वारा बायसिकल मैराथन राजवाड़ा से चिड़ियाघर तक निकाली गई जिसमें सैकड़ों साइकिल सवार शामिल हुए।

जिसमें दौड़ना और साइकलिंग दोनों शामिल है और तीसरे समूह में 22 किलोमीटर की साइकलिंग होगी। डॉ. बापना ने बताया कि लोगों में स्वच्छ पर्यावरण के साथ स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए डुएथलॉन दौड़ हो रही है। इसके प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट, टी-शर्ट और मैडल दिए जाएंगे। इसके रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं। खास बात यह है कि जो ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे वो मुंबई या अन्य किसी भी मैराथन में मान्य रहेगा। पूरे आयोजन में 100 से अधिक स्टूडेंट्स की टीम शामिल हैं। इसमें हर वर्ग के लोग शामिल हो सकते हैं।

दो दर्जन से अधिक फलो के पौधे लगाए : विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण को लेकर कई संस्थान, एनजीओ, निजी संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर पौधारोपण किया। इंदौर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया और उसके पहले सुबह पुराने एयरपोर्ट भवन के परिसर में दो दर्जन से अधिक फलो के पौधे लगाए। चीकू, आम, आमरुद और अन्य फलों के ये पौधे एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक पूरी तरह से संरक्षित भी किए जाएंगे। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पौधारोपण किया गया।

सीकासा नहीं करेगा कार्यक्रम में प्लास्टिक के डिस्पोजल का उपयोग : प्लास्टिक बैग्स से होने वाले पर्यावरण को नुकसान को कम करने की दिशा में हर एक इंसान कुछ बेहद जरुरी कदम उठा सकता है। सतर्कता और जागरुकता दो बेहद जरुरी चीजें हैं जिनसे प्लास्टिक के खिलाफ अपनाया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंदौर सीकासा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर अंनोखी पहल की है। सीकासा इंदौर चेयरमेन सीए अंकुश जैन ने बताया कि ऐसासिएशन के सभी सदस्यों ने यह संकल्प लिया है कि वे अपने कार्यकाल के किसी भी आयोजन में प्लास्टिक के डिस्पोजल का उपयोग नहीं करेंगे और अन्य संस्थाओं से भी आग्रह कर इस मुहिम से जोड़ेंगे। उन्होंने बताया सरकार और पर्यावरण संस्थाओं के अलावा भी हर एक नागरिक की पर्यावरण के प्रति कुछ खास जिम्मेदारियां है जिन्हें अगर समझ लिया जाए तो पर्यावरण को होने वाली हानि को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। खुद पर नियंत्रण इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। इंदौर सीए ब्रांच चेयरमेन सीए पंकज शाह ने बताया हम सभी ने इस मुहिम से जुड़ने के साथ ही पौधारोपण कर उसकी देखभाल की ज़िम्मेदारी ली।

प्राकृतिक संसाधनों पर दे रहे अधिक जोर : आईआईटी इंदौर ने विश्व पर्यावरण दिवस पर संस्थान में स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी के साथ मिलकर पौधारोपण किया। संस्थान में अभी तक 7000 पेड़-पौधे 30 से अधिक प्रजाति के लगे है। संस्थान पानी सहेजने के साथ ही पानी को रिसाइकिल करने पर अधिक जोर दे रहा है। इसके लिए तरह-तरह के प्रयास संस्थान में किए गए हैं। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. प्रदीप माथुर संस्थान को अधिक से अधिक हरा-भरा बनाने और प्राकृतिक संसाधनों जैसे सोलर सिस्टम, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कैशलेस कैंपस, प्लांटेशन आदि पर अधिक जोर दे रहे हैं।

200 से अधिक पौधे लगाए : विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित इंदौर अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए महापौर व विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़, सभापति अजयसिंह नरुका ने ट्रेचिंग ग्राउंड पर पौधारोपण किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न रहवासी संगठन व अन्य नागरिकों के साथ मिलकर 200 से अधिक पौधे रोपित किए। महापौर गौड़ ने कहा कि पूर्व में ट्रेचिंग ग्राउंड पर शहरभर से यहां कचरा लाकर इकट्ठा किया जाता था।

Raj Express (Indore), 6th June 2019, Page-2